

DPN 5928

Title : स्तोत्र संग्रह STOTRA SAṆGRAHA

Run. No. 6619

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 20.5 x 8.5 Folios 25 Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

city names / content list

(1413/115)
(1413/112)
(1413/111)
(1413/110)
(1413/109)
(1413/108)
(1413/107)
(1413/106)
(1413/105)
(1413/104)
(1413/103)
(1413/102)
(1413/101)
(1413/100)
(1413/99)
(1413/98)
(1413/97)
(1413/96)
(1413/95)
(1413/94)
(1413/93)
(1413/92)
(1413/91)
(1413/90)
(1413/89)
(1413/88)
(1413/87)
(1413/86)
(1413/85)
(1413/84)
(1413/83)
(1413/82)
(1413/81)
(1413/80)
(1413/79)
(1413/78)
(1413/77)
(1413/76)
(1413/75)
(1413/74)
(1413/73)
(1413/72)
(1413/71)
(1413/70)
(1413/69)
(1413/68)
(1413/67)
(1413/66)
(1413/65)
(1413/64)
(1413/63)
(1413/62)
(1413/61)
(1413/60)
(1413/59)
(1413/58)
(1413/57)
(1413/56)
(1413/55)
(1413/54)
(1413/53)
(1413/52)
(1413/51)
(1413/50)
(1413/49)
(1413/48)
(1413/47)
(1413/46)
(1413/45)
(1413/44)
(1413/43)
(1413/42)
(1413/41)
(1413/40)
(1413/39)
(1413/38)
(1413/37)
(1413/36)
(1413/35)
(1413/34)
(1413/33)
(1413/32)
(1413/31)
(1413/30)
(1413/29)
(1413/28)
(1413/27)
(1413/26)
(1413/25)
(1413/24)
(1413/23)
(1413/22)
(1413/21)
(1413/20)
(1413/19)
(1413/18)
(1413/17)
(1413/16)
(1413/15)
(1413/14)
(1413/13)
(1413/12)
(1413/11)
(1413/10)
(1413/9)
(1413/8)
(1413/7)
(1413/6)
(1413/5)
(1413/4)
(1413/3)
(1413/2)
(1413/1)

जनानेवसभूतइत्योवा॥५॥जनानात्रापवइत्योवा॥
विद्यामहामसप्रदीपमवासस्य॥६॥सूचनवभूतेजनमधमम
वृत्ति॥अयसवानागगूययक्रुकिन्नवना॥७॥विद्यामनसिदया
गिप्रसेनइत्योवा॥निप्रमिदूडालयंप्रार्थनायादावा॥८॥वर्षिका
यायायकासंभवलयचोतधर्मअर्धकोममदत्तचक्षनस्येव॥९॥
मयययमालडीवद्वलपोलस्येन॥देवमस्यमदकाखीहोय
कथजिन॥१०॥अगाववमहिमायाक्रमायिकामाल॥११॥

३५५

मध्वनिष्ठिकः जन नमस्का न॥११॥ पूरुवयाचूयस्नानयवतायधू
ला॥गिरुवनजयलप्यचैगसूवशला॥१२॥महाहासमान्ययाक
दवलाकशला॥नाजदकोहनलयचैगसूवकाला॥१३॥देवरी
कपतिस्नानगधानम

रागाःवाननालविश्वकनाउवानमदना॥१४॥दडायाकसू
कशुवननवानाःगथयायज्ञाडाच्छिडिगनायानडा॥१५॥
यानकूवडाज्ञायाययनिकालः५काडासहनिधानकूका
नकागाःवैलुगुलरुयानकमाहायनाकःमहादडासक
आननववननाक॥१६॥पूरुवनश्लायमइयकावननायन

15
नाम ह्यदडा काना नाथ ५५ द विना ॥ थू प्रिया वरुडा ५५
हृदय नाः मखाका डयाय भवति नवया गुनि ॥ १२ ॥ चं ५५
निसक छि डिडा नन नन नः डा स विना म इ इरव या यि डा हन
नः ५५ द्रा वि द वग नन डा ५५ कं यानाः न क न व द न व न म न व
५५ न डा ना ॥ २० ॥ ५५ थ दाना डा द डा मु स्मि या द वानाः डि य नि स

10
5
५५ डा याः छि व न न डा ५५ या द वि झा रु न छि न द डा ड व का
नाः मा म व व ग नि म नि ५५ थान वान ॥ २२ ॥ न डा या द वि झा रु न
मा म न मा वा नाः डि य नि स वा स या य ग ना द म द ना ॥ २३ ॥ चं ५५
न गा ये रु न इरव वि न डा नाः डि य नि स ना ड द का डा न का स न ना
॥ २४ ॥ अनिक रु इ र्व वि द थ न वि न डा नाः ग ५५ या य व नि ना

न लखनव न नाः च लुसुन यापि सुध स्याय छिन मानः दडा गन
कृता या काया ह (गडा धन ॥ २॥ द न ग न ध या वा नि द न डा द नि
न व न छु या दा डा पि हा वि द्वा ना व न ना ॥ २॥ ज सु स सु धु न
न व र्णि द्य वा ल न नः न ज ग य र व या द य सु न व द ना ॥ २॥ द ना क
उ व द द द द ग न या नाः न थ ज व न य वा द ना ल सु सि या ना ॥ २॥
न ग य का न व व व ना य ना या नाः जि मि ए स क न र ना न डा

ना मा गाः जि मि स द र व या क ध ज व मा न र नाः च लुसुन व व या
न म न थ न न ना ॥ २॥ वा न वा ल न ल्हा न वि न मि जि मि सः न स ह
व द न र ना ज नि न जि मि स ॥ ध का डा वि न नि या द द डा ग वा नः व
लु स न दान डा या जि डा व ध र ना न ॥ ३३ थ (थ वा वा र लु स न र थ या
न डा नाः सर्व द ना या डा द डा ग न ध का वि नाः ना ना व रि द र व या द
द डा ग न ना मा र द र र न व स दि ग व ग या क बा ना ॥ ३४ ॥ न स न व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

नथमरुगातानांमननविद्यानयादविसकधना॥५९॥^दनवा
नडममागारवडानिचयनःउत्तमिसुचिरुसुसुशनावेगननः
श्रामशालविमिष्टिकेऊनमातनाद।सि।डात्रिंगथायनवउत्त
नामयन॥६०॥^कधुथदव(कु)वनिधायनवगनाःधुडात्रव
कथयागव(कु)सुनडात्र।काधयवठिकातरुर्गवहानन।दान

यासिनकेदयासुकांनन॥६०॥व(कु)सुनमिसुशडादयिगनखा
नादसदिगव(कु)सवानाव(कु)सुनगनःश्रकासगदडादइवादवाक
नाःऊयडयमामधकानानाखानगाना॥६१॥श्रयसनागववनि
गानयाता॥किर्ननादिउडगनानासुसिन्धाता॥६२॥दवनासम
सुयाश्रमिहर्वमानःनागवसुयज्ञानवदवककसाना॥वठिका
ससुसुहसुदडात्राकहानाःकुमिसलिवानजनश्रनिवययाग

॥ ११॥ आनिता नि द ता ना क थ ता ना ज या ग नि रु य या दा ता चा या या ता
प गिया ग चं छ स न व ध या द क थ द न मान ॥ ११ ॥ ह ना क य न ना क
न रि ना द सान ॥ ग्व द्वा न य ज न्न या ना ॥ ज न्न र्व ॥ र व न ॥ ज न ज्ञा ना ज्ञा
न ड न या क य नि सि न ॥ १२ ॥ ह न रू न धू य दि य थ म ह का च्छा क ॥ ज
व स रू य ॥ रू थ रू न या ब या क ॥ ना ना द व द य का ता ज्ञ न्न दान या क ॥ थ
र इ इ थ न क सि र्व च मि त क्का क ॥ ध या रू ॥ रू न सु ता जि न म थ

जा या ॥ रू व रू या द जि न न रि या ता ग य ॥ १३ ॥ ना क र्व ग रू य
इ र व ना स या द न ॥ १४ ॥ ह म य न न रू र्व ग नि जि न वि य ॥ १५ ॥ थ क
थ म हा न म द ता ना क काना ॥ आ नि व नि द ता ग न च्छ य नि म धान
मा हा या या र्व लि का स ज्ञा ॥ १६ ॥ स द दा ता ॥ थ ता थ न थ स वा ना रू न रू
का या ता ॥ १७ ॥ य न म रू र्व नि द वी ज रू ल थ न श ना ॥ य न मा न रि
ग या द द द थ र वा म् न ॥ १८ ॥ ज ग न क स नि थ ना व ल रू नि मा

मः। रुग्निमृगति ननु मनवा ककमः पुनान सधया ॥ ५६ ॥ साया
याद गयाः। रुग्निमृगति ननु सयाय मते डाम सया ॥ ५६ ॥ ॐ निशा
कनु पुत्रा लहि मरुदे नया न डव दिव शार व ॥ ५७ ॥ श्वनिवाह
रा डाना माध्याय सु माय ॥ ५८ ॥ संव नरु ५६ ५७ ५८ ५९ ॥ वदि ६ स्व मवा
नक रु सिधया क वि याः। न क सिधया गा वि याः। क न सिधन वा। स वि
या रु ना ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ न मरु ग डान वा सुद ॥ विष्णु व ड न क द व
वाय न

सर्व इ सु निवान न ॥ ६१ ॥ उ ग न डो मा हा वि डः। सर्व ग सु वि
ना स न ॥ निष्पद ध का भव व क न ॥ ६२ ॥ श्व ल क न ॥ न द ह
सं य व र वा मिः। मा न का स दारु वः। या इ न डु रु ॥ ६३ ॥ वि न ड व
य ड ति वि क मः। उ न रु सि वा ल ड क न्या र्व ड न द न
ना रा डु ड च र्ण ड न डः। गु ह डु वा म न ग था ॥ ६४ ॥ उ द न व

पुवखर

नारुच ह वि यिथ व ना द्वि कः नि ज्ञा ना ना य ना न
ऊः ल ना म ग न ल (ध) कः क य न ऊ स वा न ऊः व न
ने ऊ गु न ऊ सि धू द नि का ऊ आ (न) या शा ध नः द खि न
न सि ध य न नि ग्रा तु द म् द नः प र वा वा न न्या वा ^{न ध्या} वा
म र्वा वा हि निः द खि र्वा ना न सि ध व र्वा न क डी वा

स र्द वः न र्वा य न र्वा दा नि दः स र्वा वा नि वा न नः धि ज
वा स सः ग दा व न तु नू वि नः स र्वा म र्वा न ना दि सि
वा ना भ व ग दा ऊः आ स ख स न स नः स नि द व का ग व
प वि ना वि ब्रू य ऊ वृ ब्रू य ऊ वि ना ना भ म ह न नः ना ज डा
प्र प (थ) वा नः ए ग न भ स तु स क नः न वि न न न नू र्वा र्वा

५१

५
 १०
 १५
 २०
 २५
 ३०
 ३५
 ४०
 ४५
 ५०
 ५५
 ६०
 ६५
 ७०
 ७५
 ८०
 ८५
 ९०
 ९५
 १००
 १०५
 ११०
 ११५
 १२०
 १२५
 १३०
 १३५
 १४०
 १४५
 १५०
 १५५
 १६०
 १६५
 १७०
 १७५
 १८०
 १८५
 १९०
 १९५
 २००
 २०५
 २१०
 २१५
 २२०
 २२५
 २३०
 २३५
 २४०
 २४५
 २५०
 २५५
 २६०
 २६५
 २७०
 २७५
 २८०
 २८५
 २९०
 २९५
 ३००
 ३०५
 ३१०
 ३१५
 ३२०
 ३२५
 ३३०
 ३३५
 ३४०
 ३४५
 ३५०
 ३५५
 ३६०
 ३६५
 ३७०
 ३७५
 ३८०
 ३८५
 ३९०
 ३९५
 ४००
 ४०५
 ४१०
 ४१५
 ४२०
 ४२५
 ४३०
 ४३५
 ४४०
 ४४५
 ४५०
 ४५५
 ४६०
 ४६५
 ४७०
 ४७५
 ४८०
 ४८५
 ४९०
 ४९५
 ५००
 ५०५
 ५१०
 ५१५
 ५२०
 ५२५
 ५३०
 ५३५
 ५४०
 ५४५
 ५५०
 ५५५
 ५६०
 ५६५
 ५७०
 ५७५
 ५८०
 ५८५
 ५९०
 ५९५
 ६००
 ६०५
 ६१०
 ६१५
 ६२०
 ६२५
 ६३०
 ६३५
 ६४०
 ६४५
 ६५०
 ६५५
 ६६०
 ६६५
 ६७०
 ६७५
 ६८०
 ६८५
 ६९०
 ६९५
 ७००
 ७०५
 ७१०
 ७१५
 ७२०
 ७२५
 ७३०
 ७३५
 ७४०
 ७४५
 ७५०
 ७५५
 ७६०
 ७६५
 ७७०
 ७७५
 ७८०
 ७८५
 ७९०
 ७९५
 ८००
 ८०५
 ८१०
 ८१५
 ८२०
 ८२५
 ८३०
 ८३५
 ८४०
 ८४५
 ८५०
 ८५५
 ८६०
 ८६५
 ८७०
 ८७५
 ८८०
 ८८५
 ८९०
 ८९५
 ९००
 ९०५
 ९१०
 ९१५
 ९२०
 ९२५
 ९३०
 ९३५
 ९४०
 ९४५
 ९५०
 ९५५
 ९६०
 ९६५
 ९७०
 ९७५
 ९८०
 ९८५
 ९९०
 ९९५
 १०००

ॐ यानाः शानन श्रियकानाः य विनवा नञ्ज्ञान वा नहिम
नत्राः वेदनाना सानन वा न वा डारुनाः धिनडडा श्र
ऊम मिनाइ नि विनाः डंका वका वाक्कनयडायाडा
याक्कननाः ऊर्द्धदार्द्रवरु दानवनन विनाः ध्ववन
सवनमानिः वनिच्छयायनः ऊर्गहनसंफलनयवा

डानः वनियाइवान डया प्ररुहंकडनाः काकिलस
मानसवनवेदुवायत्राः मध्वनसनगनाः नत्राडा ना
विज्ञानाः वाक्कनया प्राइकसदद डानयागाः धिवा
नखाडा डधलिममइत्रायायः नृलनृलदि डदडा
ऊरु मंलुयः हिनमानियदालथनाम वरुदडा म
यागमयागु विच्छिनाडिन वियका डः स्वायत्रायाह

मि वे न सा तु याः नि ये वा द्ध न जि भ व ना म य

क स न ना डा हा ना ग ॥ थ म र्व इ याः छि च्च न या य न

ह नि क य न न डा नाः न या वा ली भ य छि डि स नु क म

न न थ नु नि कि ति ज्ञा च का डा ना ड ना न नः स क स

र य या दा क म द वा वा ना स य या दा डा ड व वा ध या

आ नाः के स डान क स का ण क म द वा क नाः ॥ ३३ ॥

या मि र वा स ना दा हि धा न डा नाः ॥ ३४ ॥ ना का न या

दाः वि या डा ड वा नाः स क य या दा डा व नि दान वि य

ना ना ॥ क स टि ना ण हि न न ह मि दान वि नाः मा हा वा

क या या डा व ह स न का नाः थ न लू य ध न न या ह नि

स न के नाः स हा या ना क स के व ह दा हा दा वा ना स

म म ध या ना न स ॥ ३५ ॥ ना श द नाः वा य ना ग म य

१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 २. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ३. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ४. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ५. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ६. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ७. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ८. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ९. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 १०. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

या तासि सिद्धी प नाथा पुरस्सा मि कि अ न न र द क न
पुन ल स्या म द ना ॥ ४ ॥



उ नमः श्री गणेशाय नमः ॥ अ निष्क व र पं रु स्य य का नं कि सि रं दान का टि त ज्ञां
आं दि न नं ॥ आ सा या क्क मा द सा द नं पि ला सं ॥ जि ता सि धि वि अ थ थिं क्रा ग ण सं
॥ १ ॥ क स रू छ लं वा स वां रु न पा नं म धि व न्त मो मि ल ला नि न वा मं ॥ जि ता सि धि
वि अ थ थिं क्रा ग ण सं ॥ शा न न म नू नू द्वा उ दं ला क ल नं क र वि क द्वा ॥ रु
द नं स रू हं ॥ स रू द्वा रं ला क्ति स्त र्ग न मि ख मं ॥ जि ता सि धि वि अ थ थिं क्रा ग णं

ली॥३॥गसाच्छुक्लसाधुक्लयाभादश्रुगं.थक्लं.जेनीपूयववृहगीनीसं॥क्रिथं
क्रिगुनीउपासं॥क्रितासिद्धिविडाथथिंक्राग.हसं॥४॥गजासुनदेणस्यायद्धि
रुताहं.रुगवतीयनीगं.यातादृ४खताहं॥असंख्याशुलापूयविष्ठीश्रुकासं॥क्रि
तासिद्धिविडाथथिंक्रागनेहं॥५॥ दवंयाकदवसरासं.सुनद्यादिया
रुषंशुलापकाहं.सुवायाकद्वसं.यातायायनासं॥रुनिद्यादिवक्राकूवेलं

मरुसं.मिनीनानदादिक्लिगुनीउपासं॥सि॥क्रितासिद्धिविडाथथिंक्रा
गनेहं॥६॥ ताहूनंआपमात्ता.आनाक्राथूमिसं॥धनासुवर्गायातालवास
डाक्रासं॥क्रितासिद्धिविडाथथिंक्राग.हसं॥७॥गद्ययतिचत्रिपं.श्रुकाद
यकायपं॥क्रिडासक्रिडासहितं.ज्ञायमानवृद्धिडांनं॥८॥जूतीगद्ययती
क्रापंसमापं॥ ॥ ॥१॥नम४रिमसं.त्राय४ाय४सविष्ठीना.सयाकरि

ल॥१०॥ अथ लारुदयकाडा ॥ जय कृष्णनास ॥ यादाववीक्षाकसदांमं
गल्यकाज॥११॥ नमानमास्कावरीमदृष्टवभावकडा ॥ यंथसकल्या
दायादागुरुल्लविव॥ १२॥ नमारिमस्यनभ्वलिमाहाजा वालंवातंष
नाथनाच्चिकेयायकार्ज॥१३॥ नमानमाकानिसूतवकादयनांम
॥ मानूननन्दनरिमस्तानच्चिकेकाम॥१४॥ यादावायावसुकिता

॥ १५ ॥

लारुदयकाडा ॥ यादायादागुलिजिगालककयकाव॥१५॥ अथ
नारुदकादमायादाविष्कादून॥ धनजनवृद्धियादाप्रजनरुसने
॥१६॥ रीमस्यनसकमुतियादाअनन्दन॥ सुखरागयायस्तान
कल्यादासंगल॥१७॥ ॐ निधीरीमराखाम्नायंसमाफडा ॥
ॐ नमः सानदासनस्वये ॥ जयजयवागधवीपीरुवदासानकचरुगसुआरित

मूकताकलन ॥ १ ॥ कनकमललावी धातुसकरुम् ॥ रगाघटीस नखतीस
दानमस्तुत ॥ २ ॥ पथमसपननामरानतीयानाम ॥ द्वितीयसनमस्कानसन
स्वतीमान ॥ ३ ॥ तृतीयसानदादवीनमस्कानयाय ॥ रुसासनीवडथससम
वद्ययाय ॥ ४ ॥ यंचमविस्वातायूगषष्टं चागीश्वरी सफमस नमस्कानक
वलकीमानी ॥ ५ ॥ श्रुष्टमंत्रवक्रवाणी दविश्वमातानाम ॥ दक्षमंत्राक्षदीन

१५ वं वं वं वं वं

सर्द्धनाम ॥ ७ ॥ वनदादादक्षनामयाय नमस्कान ॥ नित्यनित्यधूलिनामस
मलयमाल ॥ ८ ॥ नमानभा द्रवानक धर्मविधानक भेदाभाताविधाताच
वारुवदायक ॥ ९ ॥ नमानभा सर्वस्वनी जीवादी विष्णुवी विष्णुस्वनी विद्य
यनी लक्ष्मीरुववी ॥ १० ॥ नमानभा विदेस्वनी स्वताम्वनधन अक्षमाला
पूरुक्कषु विनादछुकन ॥ ११ ॥ नमानभा ऊगधापी गायत्री सावित्री ॥ वद



गुरुं विधा न कय न्य विधी ॥ ११ ॥ नमो नमो देवादि न च न द्य चन्द्रिता ॥
वक्राच्युत गङ्गादि सदय पूजिता ॥ १२ ॥ नमो नमो स न स्वती रुगवती
नमो ॥ च न द्य पंकज युग स न द्य येनम ॥ १३ ॥ बाल बाल बाल क कृपा या
दा विद्या दूने अरु नमो च कलान प्रस न इ सने ॥ १४ ॥ मि मि रा न्य काल
रुल मता चा द्य द ॥ लान मता चा द्य द का ऊ नू ग न स द ॥ १५ ॥ मू र
ऊ ध म ति जन क द्य गत या द ॥ थ य नि मा च क किक लान र का थान

॥ १६ ॥ सकल भक्त क जन क द्य गत या द ॥ द भ र द न व द का प नि
व य या द ॥ १७ ॥ अ य रा द का जन द मा या क माल ॥ ऊ ग न क द्य
ली दा स थु लि लान धा व ॥ १८ ॥ ॐ ति श्री सा न दा या रा खा मु मि स मा
फा ॥ ॥ ॥ ॥ नम ४ रु वानी म मा ॥ मू खं स्व न यू नी स या च द्य रु मी म
द द्य अ मा नि क म लं स या नी ॥ द का गु द रा नि रु का कि ल वा नी ॥



॥११॥ रुद्र उद्गा ६

मा उमक स रं य

ॐ नमो नमो कालमनसा देवि रुद्र ग्य म ति गो र नी रो क्रा रु य ला य नी
वृं ष्व तो पा ल व ति, सु व ध रा सु व ध ली, नि रं ष्व ली, त म क्रा प ल व क्रा
य नी वि नू रं ना ला य नी, रा का स्य का म ना, या ता लं ना ति नी, व न
व ति नी, मि रा लो क्क व स रं य रा दे वि, का म ल पं का म द्वा दे वि

रुद्र रुद्र नं ता ला व ती ॥ क्रा न ति थ वि दू र ना लं सी ल थ य लं मा
ता मा ल नी, कृ न ति थ का ली का मा ता, मं य रा रु रु य ला य नी
अ ला ति र्थ रु वि ना सि नी, व तू र मं न रं ष्व ली, वं दु नी पं ठ दु या
मा णः श्रा ता लं ता ला ती प्ला, वं द्र कं स वि ला दे वि रुं कृ लं दू
रं ष्व ली गाली गी र्थ म लू ष्व ली दे वि ॥ ७ ॥ रा र्थ प लं का ली का मा ता
प ल लू ष्व दे स ल स ति, उ र ना र्थ वं द मा दे वि, मा ता प लं य

वेरवरा । कला वि कला उवउवेद पुलं न्यापादवि । न
कला ना पुलं दुर्ग सुली । मा ता रुताय शार् की नी ता ता न ग
लं डी श्वली । म नं सलवलनं मालं कं दलं । गर्भला माता । ६ ।
गर्भला । थ रुमी वलनी । निलकं १० नितामासि । नपालं व
कला देवि । तलं रुतलं व कलि । वं धं देवि वं धं श्वलि । रुत
का दे कं स दे विष्णु वालव प्र वितां ॥ माता माता सिंह दि यं प

ध मनी । माघदि यं म हं श्वली । ता ता न ग शार् ल को माली
पुलं श्वलं सुता श्वली । वनश्वं दं सु काकि तानी वलव वयि डी म हा
माघनी । २ । न ग काति श्वा ता मरिव । लू कि उ कि उ मय नी हल
सि वि माता । क्रीडा दे स व श शी गि नी ॥ ३ ॥ साग व रु डी तामं
श्वलि य वि मं ह्री गृता त माता । क का दे स श्वा सा हल निनी
वि तिता यि सु ता गानि ॥ न म पुलं स व मं गला त माता ।

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written on a single leaf of parchment, showing signs of age and wear. The script is dense and fills most of the page.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written on a single leaf of parchment, showing signs of age and wear. The script is dense and fills most of the page.

Handwritten text in an ancient script, likely Coptic, on the top leaf of a manuscript. The text is arranged in several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The parchment is aged and shows signs of wear.

Handwritten text in an ancient script, likely Coptic, on the bottom leaf of a manuscript. The text is arranged in several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The parchment is aged and shows signs of wear.

5

0 cms.

5

10

15

20